समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Tuesday, 08 September 2026**

जातिगत भेदभाव धर्म और राष्ट्र की मजबूती मे संबसे बड़ी बाधा : प्रवीण तोगड़िया

RANJEET KUMAR Published on 13 Mar 2026

▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ | ▯▯▯▯▯▯▯▯▯, ▯▯▯▯▯ | ▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯

शहर के **संगम घाट स्थित ठाकुरबाड़ी** में आयोजित *▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯* में पहुंचे **प्रवीण तोगड़िया** ने समाज में बढ़ते जातिगत और सामाजिक भेदभाव पर चिंता जताते हुए कहा कि यही धर्म और राष्ट्र की मजबूती में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर इन विभाजनों को समाप्त करने की अपील की। ▯▯

कार्यक्रम के दौरान तोगड़िया ने कहा कि जब समाज के सभी वर्गों के लोग एक साथ बैठकर **हनुमान चालीसा का पाठ** करेंगे, तो जातिगत भेदभाव अपने आप समाप्त हो जाएगा और हिंदू समाज एकजुट होकर एक मजबूत दीवार की तरह खड़ा होगा।

अपने संबोधन में उन्होंने राजनीतिक दलों पर भी तीखा कटाक्ष किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल सार्वजनिक रूप से भले ही एक-दूसरे का विरोध करते हों, लेकिन पर्दे के पीछे कई बार उनके बीच आपसी मेलजोल देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में कई बार जनता के सामने दिखाई देने वाली स्थिति और वास्तविकता में अंतर होता है।

इसके साथ ही तोगड़िया ने **ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव** का जिक्र करते हुए भारत के लिए संभावित **ऊर्जा संकट** की आशंका भी जताई। उन्होंने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और खराब होती हैं, तो ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे आम लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने सरकार की ऊर्जा नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गैस की उपलब्धता को लेकर किए जा रहे दावे जमीनी स्तर पर पूरी तरह सही नजर नहीं आते। उनके अनुसार यदि समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो भविष्य में ईंधन संकट गहरा सकता है।

तोगड़िया ने हिंदू समाज में बढ़ती दूरियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को मजबूत बनाने के लिए आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि सामाजिक एकता के माध्यम से ही धर्म और राष्ट्र को मजबूत किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाज को संगठित करने के लिए **10 सूत्रीय मंत्र** भी साझा किए, जिसमें सामूहिक रूप से **हनुमान**

चालीसा पाठ को प्रमुख माध्यम बताया। उनके अनुसार ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। ⍰

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/RANJEET KUMAR, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.